चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
Ch. Charan Singh University, Meerut

पत्रांक : परीक्षा / 7573
दिनांक 11-2-2023

अधिसूचना

कतिपय महाविद्यालयों द्वारा विश्वविद्यालय को अवगत कराया गया है कि विश्वविद्यालय परीक्षाओं के दौरान कुछ परीक्षार्थियों द्वारा अराजक व्यवहार एवं परीक्षा व्यवस्था में लगे शिक्षकों/अधिकारियों से अभद्रता की जा रही है। यह अत्यन्त गम्भीर प्रकरण है।

चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ परीक्षा अध्यादेशों का पैरा–13 निम्नवत है :–

During an examination, a candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the Centre and he shall obey his instructions. In the event of a candidate disobeying the instruction of the Superintendent or for insolent behaviour toward the Superintendent or any of the Invigilators or misbehaviour towards any of the examinees, he may be excluded from the day's examination, and if he persists in misbehaviour, he may be excluded from the rest of the examination by the superintendent of the Centre.

Provided that in all such cases a full report of each case shall be sent to the University and the Executive Council may, according to the gravity of the offence, further punish a candidate by cancelling his examination and/or debarring him from appearing at the examination of the University for one or more semesters.

इसके अतिरिक्त THE UTTAR PRADESH UNIVERSITIES (PROVISIONS REGARDING CONDUCT OF EXAMINATIONS) ACT, 1965 [U.P. ACT No. XXIV OF 1965] में परीक्षा ड्यूटी में कार्यरत शिक्षकों को निम्न सुरक्षा उपाय प्रदत्त किये गये है।

03.Every Superintendent of a Centre and every Invigilator shall be deemed to be a public servant within the meaning of section 21 of the Indian Penal Code during the course of an examination or examinations conducted by the University and for a period of one month prior to the commencement of and of [six months] immediately following such examination or examinations.

04. An assault on, or use of criminal force to a Superintendent of a Centre or an invigilator during the period mentioned in section 3 shall be deemed to be an obstruction voluntarily caused to a public servant in the discharge of his public functions, punishable under section 186 of the Indian Penal Code, and shall, not with standing anything contained in the Code of Criminal Procedure, 1898, be a cognizable offence.

उपर्युक्त अध्यादेश/अधिनियम के आलोक में समस्त वरिष्ठ केन्द्र अधीक्षकों से अनुरोध है कि परीक्षार्थियों द्वारा की जाने वाली अनुशासनहीनता/अभद्रता को गम्भीरता से लेते हुए अपने में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आवश्यक कार्यवाही करें तथा नियमानुसार विस्तृत आख्या विश्वविद्यालय को प्रेषित करें ताकि विश्वविद्यालय द्वारा भी ऐसे मामलों पर कार्यवाही की जा सके।

11/02/2023
परीक्षा नियंत्रक

मेरठ कॉलेज, मेरठ

दिनांक 02.12.2025

अति–आवश्यक सूचना

पत्रांक 5894/XXV-15 दि0 02/12/2025

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. अतिरिक्त वरिष्ठ केन्द्राधीक्षक प्रातः/सांध्यकालीन को उक्तानुसार कार्यवाही हेतु।
2. प्रभारी, परीक्षा प्रकोष्ठ, मेरठ कॉलेज, मेरठ।
3. बरसर, मेरठ कॉलेज, मेरठ।
4. कार्यालय अधीक्षक, मेरठ कॉलेज, मेरठ।
5. श्री जितेन्द्र कुमार, निजी सचिव प्राचार्य, मेरठ कॉलेज, मेरठ।
6. परीक्षा प्रभारी, प्रातः/सांध्यकालीन को उक्तानुसार।
7. सूचना पटल के माध्यम से परीक्षार्थियों के सूचनार्थ।

(युद्धवीर सिंह)
प्राचार्य
2/12/25